महिलाएं करेंगी बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी का नेतृत्व

नई दिल्लीः 6 अगस्त, 2014। अब बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी का नेतृत्व बीवाईपीएल और बीआरपीएल की महिला अधिकारी करेंगी। खासतौर पर, बीवाईपीएल के दरियागंज और बीआरपीएल के द्वारका इलाकों में बीएसईएस एन्फोसमेंट विभाग की महिला अधिकारियों के हाथों में छापामार दस्ते की कमान होगी। इन इलाकों की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर ऐसा किया जा रहा है। हालांकि, छापेमार दस्तों में बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीम के पुरूष अधिकारी भी होंगे, लेकिन नेतृत्व महिला अधिकारी ही करेंगी। बीएसईएस के छापेमार दस्तों के साथ दिल्ली पुलिस के जवान होंगे। छापेमार कार्रवाइयों में महिला पुलिस को भी साथ में लिया जाएगा।

दरियागंज में बिजली चोरी के खिलाफ व्यापक अभियान दरियागंज में बड़े पैमाने पर बिजली की चोरी हो रही है। इसे देखते हुए बीवाईपीएल ने बिजली चोरों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने का निश्चय किया है। इलाके में छह टीमें लगाई गई हैं, जो बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाएंगी। बिजली चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ मौके पर ही एफआईआर दर्ज करवाकर, उनके खिलाफ स्पेशल कोर्ट में केस चलाया जाएगा। उन पर भारी जुर्माना भी किया जाएगा।

गौरतलब है कि दरियागंज में 80 प्रतिशत तक बिजली चोरी चली जाती है। हांलांकि कभी–कभार बिजली चोरी का प्रतिशत गिरकर 26 प्रतिशत तक आ जाता है। दरियागंज में बिजली के 58,000 वैध कनेक्शन हैं। 20,000 अवैध कनेक्शनों के माध्यम से यहां बिजली चोरी हो रही है। वित वर्ष 2013–14 के दौरान दरियागंज में 126 करोड़ रूपये की बिजली चोरी हुई।

चूंकि छापेमारी करने गई बीएसईएस की टीमों पर बिजली चोरों द्वारा हमला भी किया जाता है, इसलिए, दिल्ली पुलिस के जवान भी बीएसईएस टीम के साथ मौजूद रहेंगे। इसमें महिला पुलिसकर्मियों को भी शामिल किया जाएगा।

दरियागंज के जिन इलाकों में छापेमारी अभियान तेज किया जाएगा, वे हैं– जामा मस्जिद क्षेत्र, हौज काजी क्षेत्र, शकूर की डांडी, एलएनजेपी कॉलोनी, तकिया काले खां, 64 खंभा, माता सुंदरी डीडीए फ्लैट्स, अन्ना नगर और संजय अमर कॉलोनी।

पिछले दो माह के दौरान, दरियागंज इलाके में बिजली चोरी के 700 मामले पकड़े गए हैं, जिनमें 2100 किलोवॉट से अधिक की बिजली चोरी पकड़ी गई है।

दरियागंज में छापेमारी के अलावा, बीवाईपीएल ने लोगों को बिजली का कनेक्शन जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की है। बिजली चोरी के खिलाफ अभियान के दौरान लोगों में जागरूकता फैलाने का भी काम किया जाएगा। पर्चे–पोस्टर और नुक्कड़ नाटकों का माध्यम से लोगों को बिजली चोरी के खतरों, और कानूनी प्रवधानों आदि के बारे में भी बताया जाएगा।

द्वारका

बीआरपीएल के द्वारका इलाके में वैसे तो आमतौर पर 10.5 प्रतिशत बिजली चोरी होती है, लेकिन कुछ हिस्सों में 25 से 50 प्रतिशत तक की बिजली चोरी भी होती है। द्वारका में अधिक बिजली चोरी वाले इलाके हैं– ककरोला, मटियाला, मधु विहार, महावीर एन्क्लेव, माताराम पार्क, पप्पनकलां, राजापुरी और नसीरपुर गांव। इन जगहों पर बिजली चोरी के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। द्वारका में, एक महिला अधिकारी के नेतृत्व में हाल ही में 100 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई है।

बीएसईएस ने तकनीक और अन्य स्रोतों से तमाम डेटा जुटा लिए हैं और यह पता कर लिया है कि किस इलाके में, और यहां तक कि किस गली में कितली बिजली चोरी हो रही है। इसलिए, अब पूरे डेटा के साथ लैस होकर बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीमें बिजली चोरी के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ने जा रही हैं।